ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-12-2024

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-12-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-12-11	2024-12-12	2024-12-13	2024-12-14	2024-12-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	10.0	11.0	11.0	12.0	12.0
न्यूनतम तापमान(से.)	2.0	3.0	3.0	4.0	4.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	2	2	3	2	2
पवन दिशा (डिग्री)	160	140	140	90	90
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	2	1	1	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 10.0-12.0 डिग्री सेल्सियस और 2.0-4.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। दक्षिण-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पूर्व और पूर्व दिशा से 2-3 किमी/घंटा की गति से हवा चलने की उम्मीद है। 10 से 15 दिसंबर तक शुष्क मौसम रहने की संभावना है। 10 दिसंबर को अलग-अलग स्थानों पर शीत लहर और 10 से 12 दिसंबर तक अलग-अलग स्थानों पर ज़मीनी पाला पड़ने की पीली चेतावनी दी गई है।

सामान्य सलाहकार:

क्षेत्र में किसान गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध "मेघदूत" ऐप से मौसम की स्थिति के बारे में और "दामिनी" ऐप से बिजली की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.10-0.30 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 6.12.2024 से 12.12.2024 के दौरान सामान्य वर्षा और सामान्य अधिकतम तापमान के साथ न्यूनतम तापमान से काफी कम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

पूर्वानुमान के अनुसार, मौसम साफ रहने के साथ शीत लहर और जमीन पर पाला पड़ने की संभावना है, इसलिए खेती-बाड़ी का कार्य तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए और आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	फसल की निगरानी की जानी चाहिए और आवश्यकतानुसार नियमित निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए।
मसूर की दाल	फसल की निगरानी की जानी चाहिए और आवश्यकतानुसार नियमित निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
रेपसीड	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। आवश्यकता के अनुसार घाटियों और निचली पहाड़ियों में हल्की सिंचाई की जानी चाहिए और कीट/बीमारी के हमले के मामले में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
सरसों	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। आवश्यकता के अनुसार घाटियों और निचली पहाड़ियों में हल्की सिंचाई की जानी चाहिए और कीट/बीमारी के हमले के मामले में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
गेहूँ	सिंचित और वर्षा आधारित दोनों स्थितियों में फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और उपयुक्त कृषि पद्धतियों को नियमित रूप से किया जाना चाहिए।
जौ	फसल की निराई-गुड़ाई की नियमित निगरानी करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करनी चाहिए और खेत में खाद के लिए गाय के गोबर का उपयोग करना चाहिए।
आलू	घाटियों में ठंढ की स्थिति में आलू की फसल को उचित अंतराल पर सिंचित किया जाना चाहिए।
गोभी	रोपाई की गई फूलगोभी की किस्मों में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए तथा निराई-गुड़ाई का कार्य नियमित रूप से करना चाहिए।
सेब	रोगों की रोकथाम के लिए छंटाई के बाद सेब/नाशपाती/आड़ू/प्लम/खुमानी के पेड़ की अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
नाशपाती	रोगों की रोकथाम के लिए छंटाई के बाद सेब/नाशपाती/आड़ू/प्लम/खुमानी के पेड़ की अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
आड़ू	रोगों की रोकथाम के लिए छंटाई के बाद सेब/नाशपाती/आड़ू/प्लम/खुमानी के पेड़ की अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
बेर	रोगों की रोकथाम के लिए छंटाई के बाद सेब/नाशपाती/आड़ू/प्लम/खुमानी के पेड़ की अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
खुबानी	रोगों की रोकथाम के लिए छंटाई के बाद सेब/नाशपाती/आड़ू/प्लम/खुमानी के पेड़ की अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	जाड़े के दिनों में पशुओं को अतरिक्त ऊर्जा प्रदान करने वाले खाद्य पदार्थों की 25 % मात्रा बढ़ाकर देनी चाहिए। बंधे हुए पशुओ को व्यायाम कराये तथा सूर्य की रौशनी आने पर उन्हें पशुशाला के बहार निकलकर धुप में बांधे।
गाय	जाड़े के दिनों में पशुओं को अतरिक्त ऊर्जा प्रदान करने वाले खाद्य पदार्थों की 25 % मात्रा बढ़ाकर देनी चाहिए। बंधे हुए पशुओ को व्यायाम कराये तथा सूर्य की रौशनी आने पर उन्हें पशुशाला के बहार निकलकर धुप में बांधे।
बकरा	जानवरों को पाला सूख जाने पर ही घास चराने के लिए ले जाना चाहिए वरना पाले युक्त खाद्य पदार्थों से उन्हें इंटेरोटॉक्सिमिया होने का खतरा रहता है। जानवरों को बाड़े में समय पर ले आना चाहिए ताकि ठण्ड से बचाव हो सके।
भेड़	जानवरों को पाला सूख जाने पर ही घास चराने के लिए ले जाना चाहिए वरना पाले युक्त खाद्य पदार्थों से उन्हें इंटेरोटॉक्सिमिया होने का खतरा रहता है। जानवरों को बाड़े में समय पर ले आना चाहिए ताकि ठण्ड से बचाव हो सके।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	ठंढ/कोहरा होने पर, नियमित अंतराल पर खेतों में सिंचाई करनी चाहिए।